कोविड-19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम करने के पश्चात शेष पाठ्यक्रम का सत्र 2021-22 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षिक पंचांगः-

<u>विषय- कृषि शस्य विज्ञान</u>

<u>कक्षा-11</u>

क्रम संख्या	माह	पाठ्यक्रम
1.	20 मई 2021 से	20 मई से ऑनलाइन शिक्षण कार्य प्रारम्भ- शस्य विज्ञान की परिभाषा, परिचय एवं क्षेत्र।
2.	जून	गेहूँ, धान एवं मक्का की खेती का विस्तृत अध्ययन करना।
3.	जुलाई	सोयाबीन, अरहर, मटर, चना की खेती का विस्तृत अध्ययन करना। प्रयोगात्मक कार्यः- खाद एवं उर्वरकों पर आधारित आंकिक प्रश्न हल करना।
4.	अगस्त	बरसीम, आलू एवं गन्ने की खेती का विस्तृत अध्ययन करना। प्रयोगात्मक कार्यः- विभिन्न फसलों का आय-व्यय ज्ञात करना।
5.	सितम्बर	मिट्टियों का वर्गीकरण- बजरीली, बलुई, दोमट सिल्ट तथा चिकनी मिट्टी तथा मिट्टी के भौतिक गुणों का अध्ययन करना। प्रयोगात्मक कार्यः- विभिन्न प्रकार की खादों खरपतवारों एवं फसल के बीजों की पहचान करना।
6.	अक्टूबर	खाद तथा खाद देना पौधे की वृद्धि के आवश्यक पोषक तत्व, खेत की मुख्य फसलों द्वारा मिट्टी से ली जाने वाली नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा हरी खाद की फसलें और उनके उपयोग का अध्ययन करना। प्रयोगात्मक कार्यः- विभिन्न फसलों की नर्सरी या पौधशाला

		तैयार करना।
7.	नवम्बर	गोबर की खाद, कम्पोस्ट, अरण्डी की खली, मूँगफली की खली का अध्ययन करना। अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।
8.	दिसम्बर	यूरिया, अमोनियम सल्फेट, सुपर फास्फेट, राक फास्फेट, पोटैशियम सल्फेट, म्यूरेट आफ पोटाश, मिश्रित खाद, डाइअमोनियम फास्फेट तथा जैविक खादें- वर्मीकल्चर, ब्लूग्रीनएल्गी राइजोबियम कल्चर आदि का अध्ययन करना।
9.	जनवरी	वनों की क्षीणता एवं फसलों का पर्यावरण का प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण का जलवायु मृदा और आधुनिक कृषि पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण नियन्त्रण के उपाय। उर्वरकों एवं फसल सुरक्षा के प्रयोग का पर्यावरण पर प्रभाव का अध्ययन करना।
10.	फरवरी	प्री बोर्ड का आयोजन बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन
11.	मार्च	बोर्ड परीक्षा का आयोजन

नोटः- कोविड-19 के कारण शैक्षिक सत्र 2021-22 में पाठ्यक्रम से कम किया गया 30% पाठ्यक्रम निम्नवत हैः

यूनिट 1

कपास, ज्वार, बाजरा मूंगफली, सूर्यमुखी, तम्बाकू

यूनिट 2

मिट्टियों की उत्पत्ति, मिट्टी की रचना पर भौतिक एवं रासायनिक कारकों का प्रभाव। भूमि संरक्षण की विभिन्न विधियों के मूल सिद्धान्त।

यूनिट 3

जैव तथा अजैव खादें, फसलों तथा मिट्टियों पर उनके प्रभाव सम्बन्धी अन्तर, खाद तथा उर्वरकों के डालने की विधियां, गोबर की खाद तथा कम्पोस्ट खाद का संरक्षण,

यूनिट–4 (1) भूमि प्रयोग, जनसंख्या दबाव (2) पर्यावरण की सामान्य जानकारी।(3) नहरों द्वारा सिंचाई और जल क्रान्ति।